पश्चिमी घाट में नई वनस्पति प्रजाति की खोज

भारत का जैव विविधता खज़ाना कहलाने वाले पश्चिमी घाट क्षेत्र में एक नई वनस्पति प्रजाति खोजी गई है। यह नई प्रजाति अनन्नास कुल (एनोनेसी) के अंतर्गत वर्गीकृत की गई है। यह खोज बैंगलुरु स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइन्स के पारिस्थितिकी विज्ञान केंद्र के शोध छात्र नवेंदु पागे और उनके साथी आशीष नरलेकर ने अपने सैर-सपाटे के दौरान की।

पागे और नरलेकर ने इस प्रजाति के लिए *मिलिउसा मालडेंसिस* नाम प्रस्तावित किया है। नाम में मलनाड पश्चिमी घाट के उस स्थान का नाम है जहां यह प्रजाति खोजी गई है। दरअसल, उन्होंने नवंबर 2013 में कुद्रेमुख में प्रकृति का आनंद लेते हुए इस पेड़ को पहली बार देखा था। *मिलिउसा मालडेंसिस* एनोनेसी परिवार के बाकी सदस्यों से कई मायनों में अलग है।

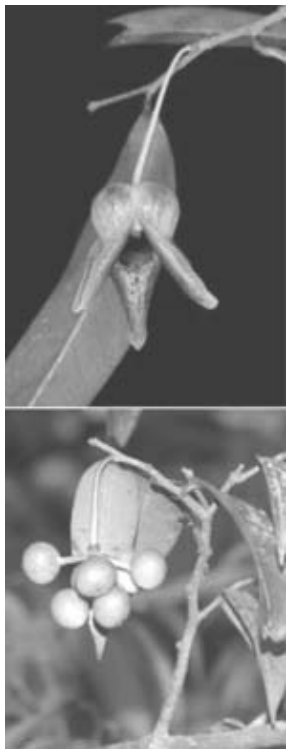

एक तो इसके फूल का डंठल लंबा होता है और फूलों का रंग तथा वर्तिकाग्र (यानी मादा प्रजनन अंग) की आकृति भी थोड़ी अलग होती है। इस पेड़ पर फल नवंबर से मई के बीच लगते हैं और अनन्नास के विपरीत ये खाने योग्य नहीं होते। पेड़ थोड़ा छोटा और सदाबहार होता है।

खोजकर्ताओं का कहना है कि यह पेड़ सिर्फ इसी इलाके में पाया जाता है यानी यह यहां का एंडेमिक है। यह पहाड़ों की ऊंचाइयों पर 'शोला' जंगल में पाया जाता है। ये जंगल कुछ अलग ढंग के होते हैं। इनमें छोटी-छोटी पहाड़ियों पर तो घास उगती है जबकि वादियों में जंगल होता है।

पागे व नरलेकर ने इस प्रजाति की खोज का विवरण *फायटोटैक्सा* शोध पत्रिका में हाल ही में प्रकाशित किया है। ***(स्रोत फीचर्स)***